सत्यमेव जयते

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय
भारत सरकार

एमएसएमई इनसाइडर

• नवम्बर, 2018 • खंड III • प्रौद्योगिकी केंद्र अंक •

अपर विकास आयुक्त की डेस्क से
श्री पीयूष श्रीवास्तव

देश में प्रौद्योगिकी तक पहुँच एमएसएमई के समक्ष प्रमुख चुनौती है। यह भी एक कारण है कि भारत में अधिकांश एमएसएमई नये प्रौद्योगिकीय समाधानों को अपनाने में बहुत सुस्त हैं और लागत में कमी एवं संपोषणीयता के लिए समाधान ढूँढने में बड़े उद्योगों की सहायता करने में असमर्थ हैं। इससे प्रमुख उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता को क्षति होती है। इसके अतिरिक्त, ऑटोमेशन एवं एआर, वीआर, एआई, ब्लॉक चेन जैसी अन्य प्रौद्योगिकियों की प्रगति के साथ विनिर्माण क्षेत्र को बड़े परिवर्तन के माध्यम से गुजरने की प्रत्याशा है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय, विकास आयुक्त (एमएसएमई) कार्यालय ने देश में उद्योग के विकास के लिए उपयुक्त प्रोत्साहन देने के अपने प्रयास - खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की सहायता करने के उद्देश्य से भारत भर में प्रौद्योगिकी केंद्र, उनमें से अधिकांश जर्मनी एवं डेनमार्क तथा संयुक्त राष्ट्र की सरकारों के द्विपक्षीय सहयोग के माध्यम से स्थापित किए हैं।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

भारत सरकार एमएसएमई क्षेत्र की बेहतर सिनर्जी के लिए सहायता एवं आउटरीच पहल का लोकार्पण करते हुए

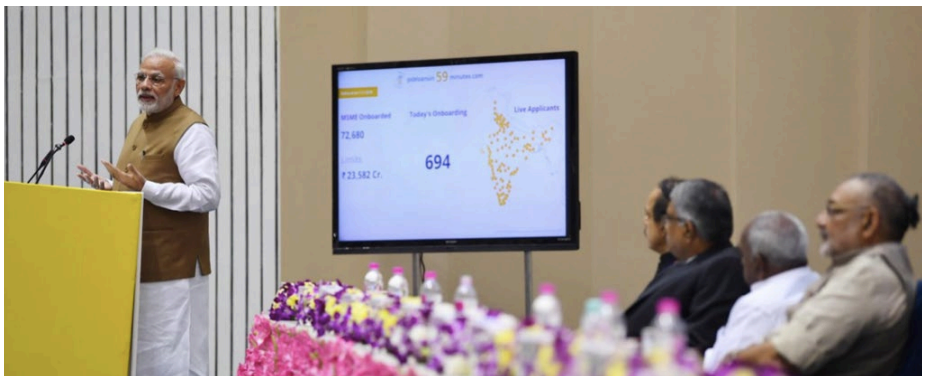

एमएसएमई क्षेत्र के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई 12 ऐतिहासिक पहल

1) ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 59 मिनट के भीतर 1 करोड़ रुपये का ऋण।
2) नए या वर्धक ऋणों पर सभी जीएसटी पंजीकृत एमएसएमई के लिए 2% की ब्याज आर्थिक सहायता।
3) बैंकों से ऋण तक पहुँच के लिए उद्यमियों को समर्थ करने के लिए उनकी आगामी प्राप्तियों के आधार पर टीआरईडीएस प्लेटफार्म पर अनिवार्य बनाने के लिए 500 करोड़ रुपये से अधिक कुल कारोबार वाली सभी कंपनियां रोकड़ चक्र की समस्याओं का समाधान करेंगी।
4) एमएसएमई की कुल खरीद के 20% के स्थान पर सार्वजनिक क्षेत्र के सभी उपक्रम 25% अनिवार्यतः प्राप्ति करेंगे।
5) एमएसएमई से अनिवार्य 25% प्रापण (प्रोक्यूरमेंट) में से, महिला उद्यमियों के लिए 3 प्रतिशत आरक्षित किया गया।
6) केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के सभी उपक्रम जेम पोर्टल के माध्यम से अनिवार्यत प्राप्ति करेंगे।
7) 6000 करोड़ रुपये की लागत से 100 प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित किए जाएंगे।
8) फार्मा क्लस्टरों को स्थापित करने के लिए 70% भारत सरकार वहन करेगी।
9) 8 श्रम कानूनों एवं 10 केंद्रीय विनियमों के अंतर्गत वर्ष में एक बार रिटर्न फाइल करेंगे।
10) कंप्यूटरीकृत रैण्डम आबंटन के माध्यम से निरीक्षक द्वारा दौरे की जाने वाली स्थापनाओं पर निर्णय किया जाएगा।
11) वायु एवं जल प्रदूषण कानून के अंतर्गत एकल सहमति स्वघोषणा के माध्यम से स्वीकार की जाएगी तथा केवल 10% एमएसएमई की इकाइयों का निरीक्षण किया जाएगा।
12) कंपनी अधिनियम के अंतर्गत मामूली उल्लंघन के लिए उद्यमियों को अब न्यायालय नहीं जाना है लेकिन साधारण प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें ठीक किया जा सकता है।

सीखे, विकसित करें, सशक्त करें!

अपने प्रौद्योगिकी केंद्र को जानने के लिए यहाँ क्लिक करें

एमएसएमई औजार कक्ष (टूल रूम) के बारे में ब्रीफ

भारत सरकार ने विशेष रूप से एमएसएमई की सहायता करने के उद्देश्य से देश में उद्योग के विकास के लिए उपयुक्त प्रोत्साहन देने हेतु अपने प्रयास में औरंगाबाद, अहमदाबाद, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंदौर, जमशेदपुर, कोलकाता, जालंधर एवं लुधियाना में दस औजार कक्ष (टूल रूम) स्थापित किए हैं। ये औजार कक्ष प्रिसिजन टूलिंग के रूप में भारतीय उद्योग को अमूल्य सेवा देते हैं एवं टूल और डाई निर्माण के क्षेत्र में कुशल जनशक्ति उपलब्ध करा रहे हैं। इन औजार कक्षों की स्थापना से भारत में टूलिंग एवं सह संबद्ध कार्यकलापों के क्षेत्र में नये युग की शुरूआत हुई है। आज ये औजार कक्ष मोल्ड एवं डाई निर्माण प्रौद्योगिकी में काफी दक्ष हैं एवं कृत्रिम मोल्डों, डाई एवं टूल के विकास एवं विनिर्माण में प्रिसिजन एवं गुणता को प्रोत्साहित करते हैं। प्रत्येक टूल रूम ने अपने-अपने क्षेत्र में शीर्षस्थ स्थान प्राप्त किया है। ये औजार कक्ष न केवल सर्वोत्तम प्रौद्योगिकी से सुसज्जित हैं बल्कि ये क्षेत्र में नवीनतम उन्नति के साथ कदम से कदम मिलाए हुए हैं तथा समय-समय पर टूलिंग, वैक्यूम हीट ट्रीटमेंट, तीव्र प्रोटोटाइपिंग आदि जैसे नयी प्रौद्योगिकी को बढ़ाता है।

औजार कक्ष अंतर्राष्ट्रीय गुणता औजारों, टूलिंग एवं संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षित कार्मिक तथा परामर्श उपलब्ध कराने के रूप में उद्योगों के संबंधित क्षेत्रों के एकीकृत विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं एवं उत्कृष्टता एवं इससे परे की खोज में नयी सीमाओं को लगातार लांघ कर रहे हैं।

औजार कक्षों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आवश्यकताएं पूरी करने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम को विकसित किया है। औजार कक्ष टूल डिजाइन, विनिर्माण, निम्न लागत ऑटोमेशन, सीएडी/सीएएम आदि क्षेत्रों में कोलम्बो तकनीकी सहयोग स्कीम (टीसीएस), विशेष राष्ट्रमंडल अफ्रीकी सहायता कार्यक्रम (एससीएएपी), भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी), श्रीलंका को सहायता, आदि जैसे भारत सरकार के विभिन्न समझौतों के अंतर्गत प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

औजार कक्ष अत्याधुनिक मशीनरी एवं सहायता सुविधाओं से सुसज्जित हैं। सभी औजार कक्ष पूर्ण गुणता प्रबंधन (टीक्यूएम) के सिद्धांतों का पालन करते हैं। वे आईएसओ 9001-2000 प्रमाणित संस्थाएं हैं एवं उनमें से कुछ आईएसओ-14000 एवं ओएचएसएएस-18000 प्रमाणित हैं।

और पढ़े

प्रौद्योगिकी केंद्रों द्वारा विकसित प्रिशिजन मशीनरी

श्री डी मॉडलिंग एवं कस्टम इम्प्लांट

3डी मुद्रण मशीन यह मस्तिष्क में संचालन के लिए बना क्रेनियल प्लेट है। यह भारत में पहली बार बना त्रिस्तरीय मधुछत्ता संरचना है।

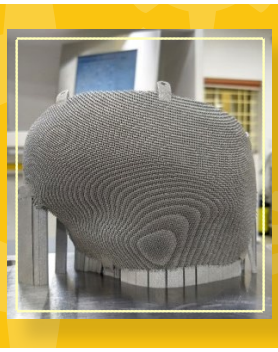

निम्न लागत ऑटोमेशन: वायुचालित चमकने वाला विनिर्माण मशीन (पटाखा उद्योग, शिवकाशी के लिए)

1. मानवीय थकावट को कम करता है।
2. खतरनाक रसायनों के एक्सपोजर को रोकता है।
3. उत्पादन में निरंतरता।
4. वर्धित उत्पादकता।
5. पेटेंट के लिए पंजीकृत।

एमएसएमई मंत्रालय के मंत्री ने पटना टूल रुम की आधारशिला रखी

श्री गिरिराज सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने दिनांक 25.09.2018 को प्रशिक्षुओं के कार्यशाला और छात्रावास भवन के लिए टूल रुम और प्रशिक्षण केन्द्र, पटना की आधारशिला रखी।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया

वल्लभ भाई पटेल, 'आधुनिक संघीय भारत' के निर्माता की जयंती पर उन्हें श्रृद्धांजली अर्पित करने के लिए एमएसएमई मंत्रालय में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। माननीय मंत्री एमएसएमई (स्वतंत्र प्रभार), श्री गिरिराज सिंह ने अन्य अधिकारियों के साथ बाल सहयोग, दिल्ली में भारत के लौह-पुरुष को तहे दिल से नमन किया और श्रृद्धांजली अर्पित की। माननीय मंत्री ने एनएसआईसी के 8 तकनीकी केन्द्रों में नामांकित छात्रों से सुझाव/विचार मांगे।

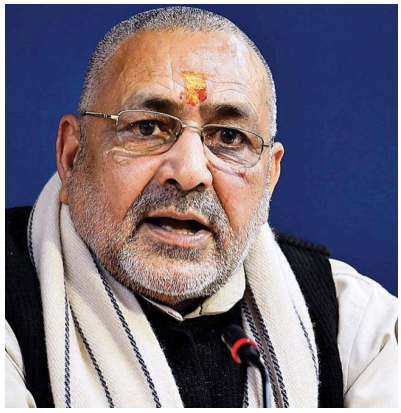

दिनांक 6 अक्तूबर, 2018 को कुरनूल में खादी सम्मेलन का उद्घाटन

श्री गिरिराज सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), एमएसएमई मंत्रालय ने दिनांक 6 अक्तूबर, 2018 को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में खादी सम्मेलन का उद्घाटन किया और उन्होंने दिनांक 17 अक्तूबर, 2018 को आंध्र प्रदेश में स्फूर्ति के अंतर्गत विकसित तिरुपति के समीप श्री श्रीकालास्ति गांव में कारीगरों को आत्म निर्भरता प्रदान करने के लिए कलमकारी क्राफ्ट क्लस्टर के कारीगरों को इलैक्ट्रिक पॉटर व्लीह वितरित किए।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

स्कीम कॉर्नर

प्रौद्योगिकी केन्द्र प्रणाली कार्यक्रम (टीसीएसपी)

प्रौद्योगिकी केन्द्रों के नेटवर्क को उन्नत और विस्तार करना. हमारा मंत्रालय विद्यमान को उन्नत करने और 15 नए प्रशिक्षण केन्द्रों को स्थापित करने के लिए 200 मिलियन यूएसडी की विश्व बैंक ऋण सहायता सहित 2200 करोड़ रु. की अनुमानित परियोजना लागत पर "प्रौद्योगिकी केन्द्र प्रणाली कार्यक्रम" (टीसीएसपी) का कार्यान्वयन कर रहा है।

नए प्रशिक्षण केन्द्र एमएसएमई को प्रशिक्षण परामर्श, इन्क्यूबेशन, टूलिंग सहायता और उत्पादन संबंधित सेवाएं प्रदान करेंगे। इन प्रशिक्षण केन्द्रों के पास 3डी प्रिंट एआई/एआर/वीआर/आईओटी इत्यादि के लिए नवीनतम उपकरण और सुविधाएं होंगी।

रोहतक, भिवाड़ी, बद्दी, बेंग्लूरू, दुर्ग, पुदुचेरी, विशाखापत्तनम, सितारगंज. भोपाल, कानपुर, इम्फाल, एर्नाकुलम और ग्रेटर नोएडा में निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है। भुवनेश्वर, मुम्बई और औरंगाबाद में प्रशिक्षण केन्द्रों के उन्नयन के लिए निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है। 10 प्रशिक्षण केन्द्रों के दिसम्बर, 2018 से प्रशिक्षण कार्यकलाप आरंभ करने की उम्मीद है।

यह परियोजना जून, 2020 के अन्त तक समाप्त होनी है। यह आशा की जाती है कि परियोजना के पूर्ण हो जाने के उपरांत प्रशिक्षण के नेटवर्क की प्रशिक्षण क्षमता को 1.5 लाख प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 2.5 लाख प्रतिवर्ष कर दिया जाएगा।

और पढ़े

ब्रश उपकरण निर्माता: दिनेश कुमार वर्मा

दिनेश कुमार वर्मा उत्तर प्रदेश के आगरा शहर के एक मध्यम वर्ग परिवार से है। उन्होंने पीपीडीसी, आगरा में सीएडी/सीएएम प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपना नामांकन कराया। उन्हें एक उचित वेतन पर हाथरस में कम्पस नौकरी प्राप्त हुई और इसके उपरांत उन्होंने अपनी टूथब्रश निर्माण मशीन इकाई मुद्रा स्कीम के अंतर्गत 2,00,000/- रु. के ऋण सहित सोनोटेक आगरा के नाम से स्थापित की। अब वह घरेलू उपयोग के लिए विभिन्न प्रकार के ब्रशों का निर्माण करते हैं। वह 25,00,000/- रु. के वार्षिक कारोबार के साथ एक नया जीवन जी रहे हैं और उनकी इकाई में 16 व्यक्ति कार्यरत है। वह पीपीडीसी आगरा और एमएसएमई मंत्रालय को उनके जीवन और जीविका को आकार देने के लिए अपनी कृतक्षता प्रकट करते हैं।

फैशनेबल फुटवियर: मीरा समाधिया

एक होनहार युवती, मीरा समाधिया (उत्तर प्रदेश के आगरा शहर से) फुटवियर के लिए उनके प्रेम ने वर्ष 2011 में सीएफटीआई आगरा में फुटवियर प्रशिक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में दाखिला दिलाया। उन्होंने इस उद्योग के कार्य की झलक प्राप्त करने के लिए लगभग एक वर्ष तक फुटवियर उद्योग में कार्य किया जिसके उपरांत उन्होंने बहुत छोटे निवेश के साथ वर्ष 2013 में अपनी फुटवियर इकाई आरंभ की। अब उनका वार्षिक कारोबार 2.5 करोड़ रु. है और उनकी इकाई में 50 लोग कार्यरत हैं। उनका उद्यम दिन प्रतिदिन फल-फूल रहा है और वह अपने जीवन में बदलाव के मुख्य स्रोत होने के नाते सीएमटीआई आगरा को हार्दिक धन्यवाद देती हैं।

फैब्रिकेशन वन्डर: ज्योति रंजन

कटक में आन्लो के श्री ज्योति रंजन मोहन्ती ने सीटीटीसी, भुवनेश्वर से मशीन आपरेशन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्राप्त किया। उनकी प्रतिभा से उन्हें मैसर्स सूरत ऑटोटेक प्रा.लि. में नौकरी मिली, जहां उन्होंने परंपरागत मिलिंग मशीन ऑपरेटर के रूप में कार्य किया। वर्ष 2009 में ज्योति ने नौकरी छोड़ दी और उद्यमी बनने की तैयारी की। अपने रिश्तेदारों की सहायता से उन्होंने तारिणी कयर उद्योग के नाम से अपनी फैबरीकेशन इकाई स्थापित की। उनकी इकाई में 6 व्यक्ति कार्य करते हैं और वह लगभग 30 लाख रु. वार्षिक राजस्व उत्पन्न करते हैं। वह अपना जीवन और जीविका के बदलाव के लिए सीटीटीसी और एमएसएमई मंत्रालय को श्रेय देते हैं।

सोशल मीडिया बुलेटिन

एमएसएमई की सोशल मीडिया में सक्रिय रूप से उपस्थिति है जो कि मंत्रालय की दैनिक गतिविधियों को प्रदर्शित करती है और जनता के साथ सीधे जोड़ती है। यह खण्ड सोशल मीडिया की घटनाओं और माह की अधिकतम सक्रियता की पोस्ट को दर्शाता है।

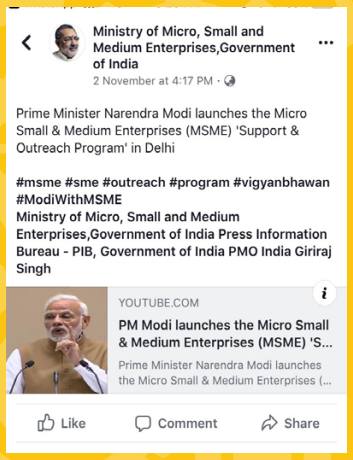

फेसबुक मुख्य अंश

शीर्ष फेसबुक पोस्ट ने 6.2 हजार राय (इम्प्रेशन) अर्जित की।

प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 नवम्बर को एमएसएमई क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक सहायता और आउटरीच कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में प्रधानमंत्री ने 12 मुख्य पहलों का अनावरण किया जो कि एमएसएमई के विकास विस्तार एवं सुविधा में सहायता करेगा।

पोस्ट देखें

ट्विटर मुख्य अंश

शीर्ष ट्वीट ने 13.1 हजार राय (इम्प्रेशन) अर्जित की

प्रधानमंत्री ने कहा कि दसवीं घोषणा यह है कि अब स्थापनाओं का निरीक्षक द्वारा दौरा किया जाएगा और इसका निर्णय कम्प्यूटरीकृत क्रम रहित आवंटन के माध्यम से किया जाएगा।

#मोदी एमएसएमई के साथ

#एमएसएमई

पोस्ट देखें

इंस्टाग्राम के मुख्य अंश

शीर्ष इन्स्टाग्राम पोस्ट ने 801 राय (इम्प्रेशन) अर्जित की

निर्णयकर्ताओं और स्टेक होल्डरों के साथ मुक्त विचार विनिमय को सुविधाजनक बनाने के लिए श्री गिरिराज सिंह, माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), एमएसएमई, डॉ. अरुण कुमार पण्डा (सचिव), श्री राममोहन मिश्रा (एएसएंडडीसी), सुश्री अलका नागिया अरोड़ा, संयुक्त सचिव (एसएमई) ने #फ्राईड्रेसऐटमाईगव में भाग लिया।

पोस्ट देखें

यूट्यूब मुख्य अंश

शीर्ष यूट्यूब पोस्ट ने 150 राय (इम्प्रेशन) अर्जित की।

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि घोषित 12वां निर्णय एमएसएमई क्षेत्र के लिए एक नया अध्याय बनाएंगे। चूँकि एमएसएमई भारत में प्रमुख रोजगार सृजनकर्ता है, प्रधानमंत्री ने लघु स्तर के उद्योगों की गौरवशाली भारतीय परंपरा को याद किया।

पोस्ट देखें

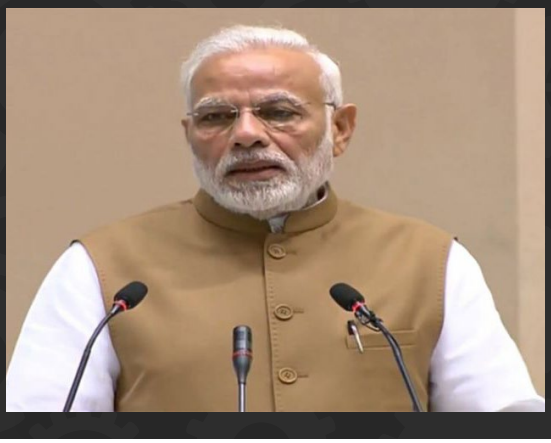

एमएसएमई के साथ मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एमएसएमई के लिए दिनांक 2 नवम्बर, 2018 को संघ सरकार की सहायता और आउटरीच पहल की शुरूआत की है। प्रधानमंत्री ने हाल ही के वर्षों में एमएसएमई क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता प्रदान की है। सम्पूर्ण देश को सम्मिलित करते हुए आउटरीच कार्यक्रम 2 नवम्बर से अगले 100 दिनों तक चलेंगे। मिशन मोड में क्रियान्वित किये जाने वाले विकास की निगरानी संघ एवं राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा की जाएगी।

पोस्ट देखें

फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब पर हम से जुडें @MINMSME

मोबाईल डिस्टिलेशन इकाई

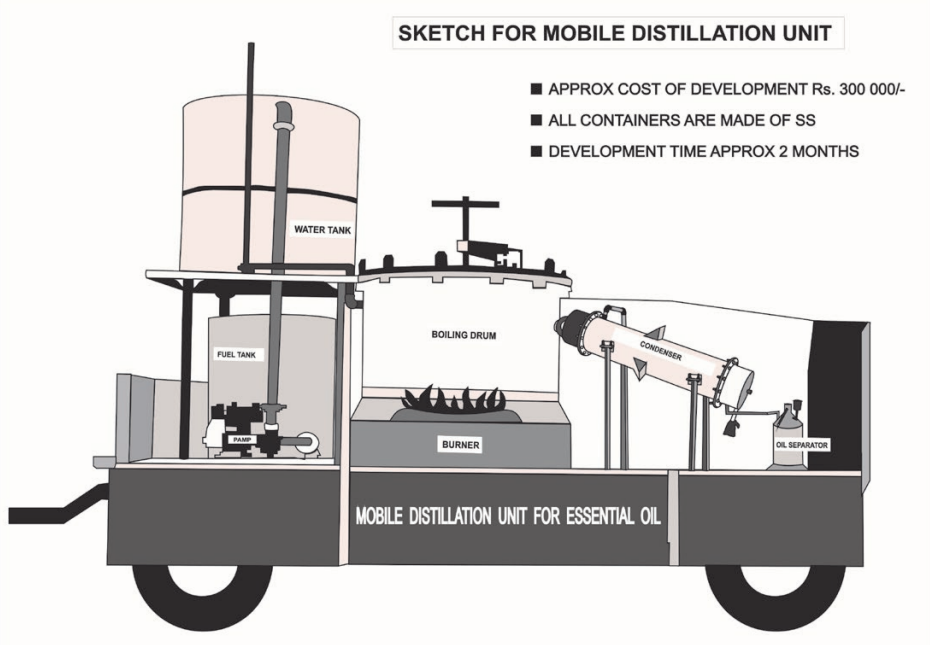

विशिष्ट रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग हेतु कोलकाता टूलरूम द्वारा आवश्यक रूप से तेल के लिए एक कम लागत की मोबाईल विवरण इकाई को विकसित किया गया है। सौर ऊर्जा ईंधन पंप और पानी की सहायता से पंप डिजाइन में और अधिक सुधार किया गया है। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में तात्कालिक इकाई का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा सकता है जहां पर पानी, बिजली उपलब्ध नहीं है।

बनाए गए मॉडल को केन्द्रीय सरकार के संगठन की एक विशेष समिति को प्रस्तुत किया जा रहा है। आदर्श विकास का विद्धान चन्द्रा कृषि विश्व विद्धालय, कलयाणी, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा समर्थन किया जाएगा।

ड्रिप सिंचाई के लिए विकसित नए घटक

रिसाव (ड्रिप) सिंचाई प्रणाली के लिए मल्टी केवेटी मोल्ड को डिजाईन, विकसित और निर्माण किया गया। इष्टतम जल संसाधन उपयोगिता के लिए चाय बागान हेतु इष्टतम ड्रिप सिंचाई के लिए इन घटकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका पश्चिम बंगाल और आसपास के राज्यों में चाय बागवानी में आश्चर्यजनक प्रभाव है।

उपलब्धियां

(वर्ष 2018-19 अक्तूबर तक)

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी)

दनांक 31.10.2018 तक बैंकों द्वारा 896.07 करोड़ रु. की मार्जिन मनी सब्सिडी वितरित की गई है जो कि लगभग 2,56,688 लोगों के लिए रोजगार सृजन करते हुए 32,086 सूक्ष्म उद्यमों को स्थापित करने में सहायता प्रदान करेगी।

एमएसई-क्लस्टर विकास कार्यक्रम

संचित कुल 6 सामान्य सुविधा केन्द्र (सीएपसी) आरंभ की गई है और 2 औद्योगिक भूसंपत्तियों को उन्नत/ कार्यात्मक बनाया जा चुका है।

एमएसएमई संबंध

वर्ष 2018-19 के दौरान अब तक 142 केन्द्रीय सरकार उपक्रमों ने कुल वार्षिक प्रापण (प्रोक्योरमेंट) लक्ष्य 1,27,239.06 करोड़ बताया है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एमएसई से 227.88 करोड़ रु. की खरीद सहित एमएसई से सीपीएसई द्वारा 14,523.77 करोड़ रु. का प्रापण (प्रोक्योरमेंट) किया गया है।

एमएसएमई सम्पर्क

माह के दौरान, भर्ती कर्ताओं द्वारा पोस्ट की गई रिक्तियों के स्थान पर 24,202 उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं और 4,654 भर्ती कर्त्ताओं को पंजीकृत किया गया है। भर्तीकर्त्ता के साथ 5,211 रिजियूम साझा किए जा चुके हैं और 926 नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं।

एनएसआईसी एवं जेएससी-रूस लघु एवं मध्यम उद्यम व्यवसाय निगम (आरएसएमबी निगम) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

दिनांक 05.10.2018 को नई दिल्ली में दो देशों के बीच सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के क्षेत्र में सहयोग के लिए राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लि. (एनएसआईसी) और जेएससी-रूस लघु एवं मध्यम व्यवसाय निगम लिमिटेड (आरएसएमबी निगम) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री सुधीर गर्ग, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एनएसआईसी ने भारत की ओर से प्रतिनिधित्व किया तथा श्री ए.ए. ब्रेवरमैन, महानिदेशक, जेएससी-रूसी लघु एवं मध्यम निगम ने रूस की ओर से प्रतिनिधित्व किया। श्री गिरिराज सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), एमएसएमई की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया।

20 अक्टूबर, 2018 को इम्फाल, मणिपुर में राष्ट्रीय एससी/ एसटी केन्द्र कान्क्लेव

राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लि. द्वारा 20.10.2018 को इम्फाल, मणिपुर में एक राष्ट्रीय एससी/ एसटी केन्द्र कान्क्लेव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मणिपुर की माननीय राज्यपाल डॉ. नजमा ए. हेप्तुल्ला थीं। मणिपुर के माननीय मुख्य मंत्री श्री नोंगथोम्बम बिरेन सिंह, विशिष्ट अतिथि और माननीय जनजाति कार्य मंत्री श्री एन कायसी विशेष अतिथि थे। एमएसएमई मंत्रालय द्वारा की गई विभिन्न पहलों को दर्शाते करते हुए श्री एल. हौकिप, निदेशक, एमएसएमई द्वारा एक प्रस्तुति दी गई। उसके बाद क्षेत्रीय भाषा में एक एनएसएसएच फिल्म दिखाई गई। सीजीटीएमएसई, एमएएस, सीएलसीएसएस आदि जैसी सरकार की विभिन्न पहलों को केन्द्रित करते हुए केंद्रीय/राज्य सरकार की स्कीमों पर एक सत्र आयोजित किया गया जिसमें केवीआईसी, एमएसएमई-डीआई, इम्फाल, आईआईएम, विशाखापत्तनम, एनईडीएफआई, एनईआरसीओएम के अधिकारी उपस्थित थे।

नवम्बर माह के लिए आने वाले कार्यक्रम/प्रशिक्षण/गतिविधियां

एनएसआईसी | एमएसएमई-डीआई | प्रौद्योगिकी केन्द्र | निम्समे

और ज्यादा जानकारी के लिए उपर्युक्त श्रेणियों पर क्लिक करें।